

Daily Current Affairs

Date : 06 November, 2025



अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	जयपुर डायलॉग्स
2.	निंबार्क जयंती महोत्सव
3.	कुल शहद उत्पादन में राजस्थान 5वां बड़ा राज्य
4.	दूध प्रोसेसिंग और कोरपस फंड
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. कोलायत महोत्सव 2. अक्षत राव : ताइक्वांडो 3. 'भावेश जो कह न सका' पुस्तक 4. जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (JIFF) 5. जेएनयू व रूस की यूनिवर्सिटी के मध्य एमओयू
6.	अमूल और इफको
7.	उमंगोट नदी (दावकी नदी)
8.	पूर्वोत्तर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (NEST) क्लस्टर
9.	पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान : 4 वर्ष पूर्ण
10.	QS एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026
11.	उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट, 2025
12.	नागरिक पंजीकरण प्रणाली (CRS) 2023 रिपोर्ट
13.	सुजीत कलकल : कुश्ती

--:1:--



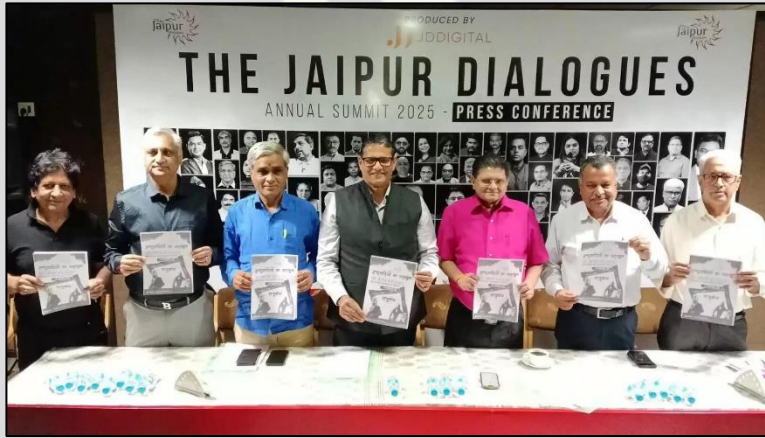
राजस्थान परिदृश्य



जयपुर डायलॉग्स

चर्चा में क्यों?

- 7 से 9 नवंबर, 2025 तक सभ्यता-संस्कृति और सनातन जिओ पॉलिटिक्स का पोषक मंच जयपुर डायलॉग कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा।



मुख्य बिन्दु:

- आयोजन :** 7 नवंबर, 2025 से 9 नवंबर, 2025 को समिट होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में आयोजित किया जाएगा।
- वर्ष 2025 का विषय/ थीम :** "शत्रु बोध"/Shatru Bodh, जिसका अर्थ है 'शत्रु को समझना'।
- उद्देश्य :** जयपुर डायलॉग्स एक जीवंत ऑनलाइन मंच है, जिसका उद्देश्य भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ावा देना और हिंदू संस्कृति एवं दर्शन की गहरी समझ को बढ़ावा देना है।
- जयपुर डायलॉग्स श्रीमद्भगवद्गीता की गहन शिक्षाओं पर आधारित है।

Daily Current Affairs

Date : 06 November, 2025



- जयपुर डायलॉग में देश दुनिया से आए विद्वान एक छत के नीचे विचारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति के साथ उदारवाद के बजाय राष्ट्रवाद यथा राष्ट्रीय सुरक्षा, सनातन, भारत की संस्कृति, नैतिकता, और नीति निर्माण पर मंथन करेंगे।

- **प्रमुख वक्ता:** सुधांशु त्रिवेदी, आनंद रंगनाथन, मेजर गौरव आर्य, कपिल मिश्रा, मीनाक्षी जैन और कई अन्य विशेषज्ञ इस आयोजन में शामिल होंगे।

इस कार्यक्रम में शामिल होंगे:

1. वैश्विक और भारतीय विचारकों द्वारा उच्च-प्रभावी मुख्य भाषण।
 2. राष्ट्रीय सुरक्षा, ऐतिहासिक मिथ्याकरण, मीडिया युद्ध और सांस्कृतिक लचीलेपन पर गहन पैनल।
 3. कथा-निर्माण, संस्थागत सुधार और रणनीतिक संचार पर गोलमेज सम्मेलन।
 4. युवाओं, छात्रों, सामग्री निर्माताओं और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए इंटरैक्टिव सत्र।
- यह एक सशुल्क (Paid) आयोजन है। जिसमें विभिन्न श्रेणियों के पास (जनरल, प्रीमियम, गोल्ड, डायमंड, और छात्र पास) खरीदकर पंजीकरण किया जा सकता है।
 - जाति और औपनिवेशिक प्रचार पर BBC के हिंदी संस्करण का प्रीमियर किया जाएगा।
 - इसके साथ ही, पंडित सतीश के शर्मा की प्रशंसित पुस्तक - जाति, धर्मांतरण, एक औपनिवेशिक षड्यंत्र: जाति के बारे में प्रत्येक हिंदू और ईसाई को क्या जानना चाहिए - के हिंदी और क्षेत्रीय भाषा संस्करणों का आधिकारिक रूप से विमोचन किया जाएगा।
 - पंडित सतीश के. शर्मा इस कार्यक्रम के दौरान धार्मिक सत्य और सुलह आयोग (DTARC) का भी शुभारंभ करेंगे।
 - **महत्त्व :** जयपुर डायलॉग के प्लेटफार्म पर भारत की सभ्यता, नैतिकता, राष्ट्रीय सुरक्षा, इतिहास और नीति निर्माण का रोडमैप बनेगा।

--3--

निंबार्क जयंती महोत्सव

चर्चा में क्यों?

- श्री सर्वेश्वर संसद जयपुर के तत्वावधान में वैष्णव संत और द्वैताद्वैत दर्शन के प्रवर्तक श्री निम्बार्काचार्य के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में छह दिवसीय जयंती महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।



मुख्य बिन्दु:

- यह महोत्सव निंबार्क संप्रदाय के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है और इसे प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा के आसपास (नवंबर माह में) मनाया जाता है।
- निंबार्क जयंती का मुख्य महत्व श्री निम्बार्काचार्य के जीवन और शिक्षाओं को याद करना है, जिन्होंने राधा-कृष्ण की भक्ति पर जोर दिया और "द्वैत-अद्वैत" (द्वैतवादी अद्वैतवाद) के दर्शन का प्रतिपादन किया, जिसके अनुसार आत्मा ईश्वर से भिन्न और अविभाज्य दोनों है।
- प्रमुख स्थान : निम्बार्क कोट और सलेमाबाद (अजमेर, राजस्थान) स्थित निम्बार्काचार्य मुख्य पीठ, वृंदावन (मथुरा) और जयपुर में इस महोत्सव को आयोजित किया जाता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

निम्बार्क :

- निम्बार्क, एक महान दार्शनिक और संत थे जिन्होंने द्वैताद्वैत (द्वैतवादी अद्वैतवाद/परम सत्य ब्रह्म और आत्मा का द्वैत) का दर्शन प्रतिपादित किया, यह अद्वैत और विशिष्टाद्वैत के मध्य संतुलन पर केंद्रित था।
- निम्बार्क एक वैदिक दार्शनिक और वैष्णव हिंदू धर्म के एक संप्रदाय, निम्बार्क संप्रदाय के संस्थापक थे। उनकी शिक्षाएँ "भक्ति योग" की अवधारणा, या ईश्वर के प्रति परमानंद प्रेम और भक्ति के मार्ग पर केंद्रित थीं।
- निम्बार्क की शिक्षाएँ और अन्य वैदिक विचारधाराओं में भिन्नता : निम्बार्क की शिक्षाएँ इस पर आधारित थीं कि परम तत्व सगुण (गुणों सहित) और निर्गुण (बिना किसी श्रेणी के) दोनों हैं। यह अन्य विचारधाराओं से एक महत्त्वपूर्ण भिन्नता थी, जो यह सिखाती थीं कि परम तत्व केवल निर्गुण है। निम्बार्क ने यह भी सिखाया कि भक्ति ही उपासना का सर्वोच्च रूप है और सभी जीवों में मुक्ति प्राप्त करने की क्षमता है।

निम्बार्क संप्रदाय :

- निम्बार्क संप्रदाय या "निम्बार्क की शिक्षाएँ" एक वैष्णव हिंदू दार्शनिक संप्रदाय है जो इसी नाम के मध्यकालीन दार्शनिक की शिक्षाओं पर आधारित है। यह हिंदू धर्म के सबसे नए संप्रदायों में से एक है, जिसकी स्थापना 13वीं शताब्दी के आरंभ में हुई थी।
- निम्बार्क की शिक्षाएँ स्वयं भगवान या "ईश्वर के मूल व्यक्तित्व" की अवधारणा के इर्द-गिर्द घूमती हैं। यह संप्रदाय भक्ति-योग या भक्ति के मार्ग को आत्मसाक्षात्कार के सबसे प्रत्यक्ष मार्ग के रूप में महत्त्व देता है।

Daily Current Affairs

Date : 06 November, 2025



राजस्थान के प्रमुख संत सम्प्रदाय :

सम्प्रदाय	प्रवर्तक संत	प्रमुख पीठ
जसनाथी	जसनाथजी	कतरियासर (बीकानेर)
विश्वोई	जांभोजी	मुकाम (बीकानेर)
रामानुज	रामानुज (मुख्य), पयोहारी स्वामी श्री कृष्णदास जी (राजस्थान)	गलता जी (जयपुर)
दादू पंथ	दादूदयालजी	नारायणा (जयपुर)
लालदासी	लालदासजी	शेरपुर (अलवर)
रामस्नेही	रामचरणजी	शाहपुरा (भीलवाड़ा)
निरंजनी	हरिदास	गाढ़ा (नागौर)
चरणदासी	चरणदास जी	दिल्ली
गूदड़	संतदासजी	दाँतड़ा (भीलवाड़ा)
नवलदासी	नवलदासजी	जोधपुर
वल्लभ संप्रदाय	वल्लभाचार्य	नाथद्वारा (राजसमंद)

--:6:--



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

कुल शहद उत्पादन में राजस्थान 5वां बड़ा राज्य

चर्चा में क्यों?

- हालिया आकड़ों की अनुसार राजस्थान का देश के कुल शहद उत्पादन में 9 प्रतिशत के साथ पांचवा स्थान है।



मुख्य बिन्दु:

- राज्य में कुल 558 पंजीकृत मधुमक्खी पालक हैं। इनके पास मधुमक्खियों की 1.12 लाख से भी अधिक कॉलोनियों हैं। यह देश में पांचवां सबसे अधिक आंकड़ा है।
- राजस्थान से पहले उत्तरप्रदेश, पंजाब, हरियाणा व बिहार का स्थान है।
- राजस्थान में सर्वाधिक मधुमक्खी पालन भरतपुर, टोंक और अलवर क्षेत्र में किया जाता है इसका कारण यहां सरसों की बड़े स्तर पर खेती हो रही है।

Daily Current Affairs

Date : 06 November, 2025



- केवल भरतपुर में ही लगभग 2000 मीट्रिक टन शहद का उत्पादन हो रहा है। इसके बाद कोटा संभाग का उत्पादन सबसे ज्यादा है।
- भरतपुर जिले को देश के प्रमुख शहद उत्पादक जिलों में गिना जाता है। यहां की अनुकूल जलवायु और नमी शहद के उत्पादन को आसान बनाने में सहायता कर रही है। इसी तरह श्री गंगानगर व हनुमानगढ़ जिलों में भी सिंचाई के कारण सरसों और अन्य फूल वाली फसलों का उत्पादन हो रहा है, जिससे मधुमक्खी पालन को बढ़ावा मिल रहा है।
- उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर जिलों में वन आधारित पुष्प वनस्पति और फलों के कारण शहद का उत्पादन हो रहा है।
- टोंक में प्रदेश का पहला मधुमक्खी पालन उत्कृष्टता केंद्र विकसित किया जा रहा है।
- जोधपुर, पाली, नागौर, बीकानेर, बाड़मेर व जैसलमेर जिलों के सिंचाई वाले क्षेत्रों में सरसों आदि की खेती होती है लेकिन गर्मी अधिक होने के कारण पूर्वी राजस्थान की तुलना में यहां सबसे कम मधुमक्खी पालन की संभावनाएं हैं।

--8--

दूध प्रोसेसिंग और कोरपस फंड

चर्चा में क्यों?

- राज्य सरकार ने डेयरी विकास के लिए राज्यभर की डेयरियों के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास हेतु 1 हजार करोड़ रुपये के कोरपस फण्ड बनाने की स्वीकृति जारी की है।



मुख्य बिन्दु:

- यह स्वीकृति राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट फण्ड के लिये जारी की गई।
- कोरपस फण्ड में बैंक अथवा वित्तीय संस्थाओं से उचित ब्याज दर पर ऋण लिया जा सकेगा। केन्द्रीय प्रवर्तित योजना AHIDF के अन्तर्गत 3 प्रतिशत ब्याज की सब्सिडी भारत सरकार और 3 प्रतिशत ब्याज की सब्सिडी राजस्थान सरकार द्वारा दी जाएगी।
- इससे डेयरियों में इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही दूध की प्रोसेसिंग क्षमता बढ़ेगी और नए डेयरी प्लांट भी स्थापित होंगे।

Daily Current Affairs

Date : 06 November, 2025




- इससे राज्यभर की सहकारी डेयरियों में दुग्ध प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) क्षमता 52 से बढ़कर 75 लाख लीटर प्रतिदिन हो जाएगी।
- अलवर, उदयपुर, बांसवाड़ा, भरतपुर एवं सवाईमाधोपुर में नवीन एवं अत्याधुनिक तकनीक के डेयरी प्लांट की स्थापना की जाएगी।
- सीकर- झुंझुनूं, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर और कोटा दुग्ध संघों के डेयरी प्लांट का विस्तार एवं सुदृढीकरण होगा। इसके अतिरिक्त कोटा, उदयपुर एवं राजसमंद जिले में नए अत्याधुनिक संयंत्रों की स्थापना की जाएगी।
- वहीं, जोधपुर में पशु आहार संयंत्र का विस्तार होगा। पाली एवं हनुमानगढ़ जिले में 60 मैट्रिक टन क्षमता के नए डेयरी प्लांट भी स्थापित किए जाएंगे।

वर्ष 2025 तक भारत में शीर्ष 5 दूध उत्पादक:

1. उत्तर प्रदेश
2. राजस्थान
3. आंध्र प्रदेश
4. गुजरात
5. पंजाब

--:10:--

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>कोलायत महोत्सव</p>  <ul style="list-style-type: none">■ चर्चा में क्यों? : कोलायत मेला, 2025, 3 नवंबर से 5 नवंबर, 2025 तक आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य मेला और पवित्र स्नान 5 नवंबर, 2025 को कार्तिक पूर्णिमा के दिन सम्पन्न हुआ।■ स्थान: श्री कपिल मुनि घाट, कोलायत झील, बीकानेर।■ कोलायत का महत्व : वेदों और उपनिषदों में 'कपिलायतन' नाम से यह भूमि आदि काल से ऋषि-मुनियों की तपोस्थली के रूप में जानी जाती रही है, यह भूमि विष्णु के पंचम अवतार महर्षि कपिल मुनि की कर्मस्थली है, इसीलिए कोलायत को 'पश्चिमी राजस्थान का हरिद्वार' भी कहा जाता है।
2.	<p>अक्षत राव : ताइक्वांडो</p> <ul style="list-style-type: none">■ 28 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2025 तक बेंगलुरु में आयोजित 42वीं जूनियर राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में राजस्थान के अक्षत राव ने 48 किलो कैटेगरी में रजत पदक जीता। <p>42वीं जूनियर राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता, 2025 :</p> <ul style="list-style-type: none">■ आयोजन : 31 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2025 तक कोरमंगला इंडोर स्टेडियम और राजीव गांधी खेल परिसर, बेंगलुरु, कर्नाटक।■ आयोजक : ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया (TFI) के तत्वावधान में कर्नाटक ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा इसका आयोजन किया गया था।

-:11:-

3.

'भावेश जो कह न सका' पुस्तक



- सहकारिता व नागरिक उड्डन मंत्री गौतम कुमार दक ने वरिष्ठ आइएएस व साहित्यकार डॉक्टर सूरज सिंह नेगी की पुस्तक 'भावेश जो कह न सका' का विमोचन किया।

4.

जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (JIFF)



- **चर्चा में क्यों ?** : 05 नवम्बर, 2025 को फेस्टिवल आयोजकों ने चयनित फिल्मों की पहली लिस्ट जारी की है।
- **आयोजन** : 13 से 15 फरवरी, 2026 तक भारत मंडपम, प्रगति मैदान।
- इस बार प्रतियोगिता श्रेणियों में 37 देशों की कुल 221 फिल्मों का चयन किया गया है।
- **जयपुर में संस्करण** : जयपुर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (JIFF) का एक और संस्करण 9 से 13 जनवरी, 2026 तक जयपुर में आयोजित होगा।

5.

जेएनयू व रूस की यूनिवर्सिटी के मध्य एमओयू

- पारस्परिक सहयोग से एजुकेशन में नवाचार करने के उद्देश्य से जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी ने रूस की 'मिनिन निजनी नोवगोरोड स्टेट पेडागोगिकल यूनिवर्सिटी' के साथ एक एमओयू किया है।
- यह एमओयू ओयू स्टूडेंट्स स्टू को इंटरनशिप व प्लेसमेंट में सहायता करेगा।
- यह एमओयू छात्रों और शिक्षकों के लिए एजुकेशन प्रोग्राम और रिसर्च पब्लिकेशन का मार्ग प्रशस्त करेगा।



अमूल और इफको



चर्चा में क्यों?

- अमूल और इफको को विश्व की शीर्ष दो सहकारी समितियों का दर्जा मिला। इसे इंटरनेशनल कोऑपरेटिव अलायंस (ICA) जारी करता है।



मुख्य बिन्दु:

भारत में सहकारी संस्थाएं

- **परिभाषा:** यह व्यक्तियों का एक स्वायत्त संघ है। इसके सदस्य अपनी साझा आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वेच्छा से एकजुट होते हैं तथा संयुक्त स्वामित्व के तहत एवं लोकतांत्रिक तरीके से कार्य करते हैं।
- **संवैधानिक प्रावधान:** 'सहकारी समितियां' सातवीं अनुसूची के तहत राज्य सूची का विषय है।
 - 97वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2011 के जरिए नागरिकों को सहकारी समितियां बनाने का मूल अधिकार प्रदान किया गया है। इन्हें राज्य की नीति के निदेशक तत्व में अनुच्छेद 43B के अंतर्गत शामिल किया गया है।
- **शीर्ष राज्य:** महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, और कर्नाटक।
- **सहकारी समितियों के लिए संचालित पहलें**
- **राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) की स्थापना: 1963**
- **राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD) का गठन: 1982**
- **केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय की स्थापना: 2021**
- **राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025**

Daily Current Affairs

Date : 06 November, 2025



अमूल (AMUL)

- **मुख्यालय:** आणंद, गुजरात
- यह एक प्रकार की सहकारी विपणन समिति है। इसकी स्थापना 1946 में त्रिभुवनदास पटेल ने की थी।

इफको (IFFCO)

- इफको (IFFCO) या इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- इसे 1967 में बहु-राज्य सहकारी समिति के रूप में स्थापित किया गया था।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

-:14:-

उमंगोट नदी (दावकी नदी)

चर्चा में क्यों?

- उमंगोट नदी मेघालय में प्रवाहित होती है। यह अपने हरे-नीले क्रिस्टल-जैसे साफ़ पानी के लिए विख्यात है। हालांकि, इसका पानी मटमैला होता जा रहा है।

मुख्य बिन्दु:

उमंगोट नदी

- **उद्गम:** शिलांग चोटी
- **प्रवाह:** मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले से होकर दक्षिण की ओर तथा बांग्लादेश में प्रवेश करती है।
- री पनार (जयंतिया हिल्स) और हिमा खैरिम (खासी हिल्स) के बीच प्राकृतिक सीमा बनाती है।

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

पूर्वोत्तर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (NEST) क्लस्टर

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज आईआईटी गुवाहाटी में पूर्वोत्तर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (नेस्ट) क्लस्टर का उद्घाटन किया और पूरे असम में 635 करोड़ रुपये की परिवर्तनकारी विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।
- उत्तर पूर्वी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (नेस्ट) क्लस्टर (NEST - North Eastern Science and Technology Cluster) भारत सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (इनोवेशन) को बढ़ावा देना है।

मुख्य बिन्दु:

- **स्थान:** इस क्लस्टर का उद्घाटन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) गुवाहाटी में किया गया है।
- **उद्देश्य:** इसका मुख्य लक्ष्य स्थानीय ज्ञान और संसाधनों को वैश्विक स्तर के समाधानों में बदलना है।
- असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र को नवाचार (इनोवेशन) और आर्थिक शक्ति के केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान : 4 वर्ष पूर्ण

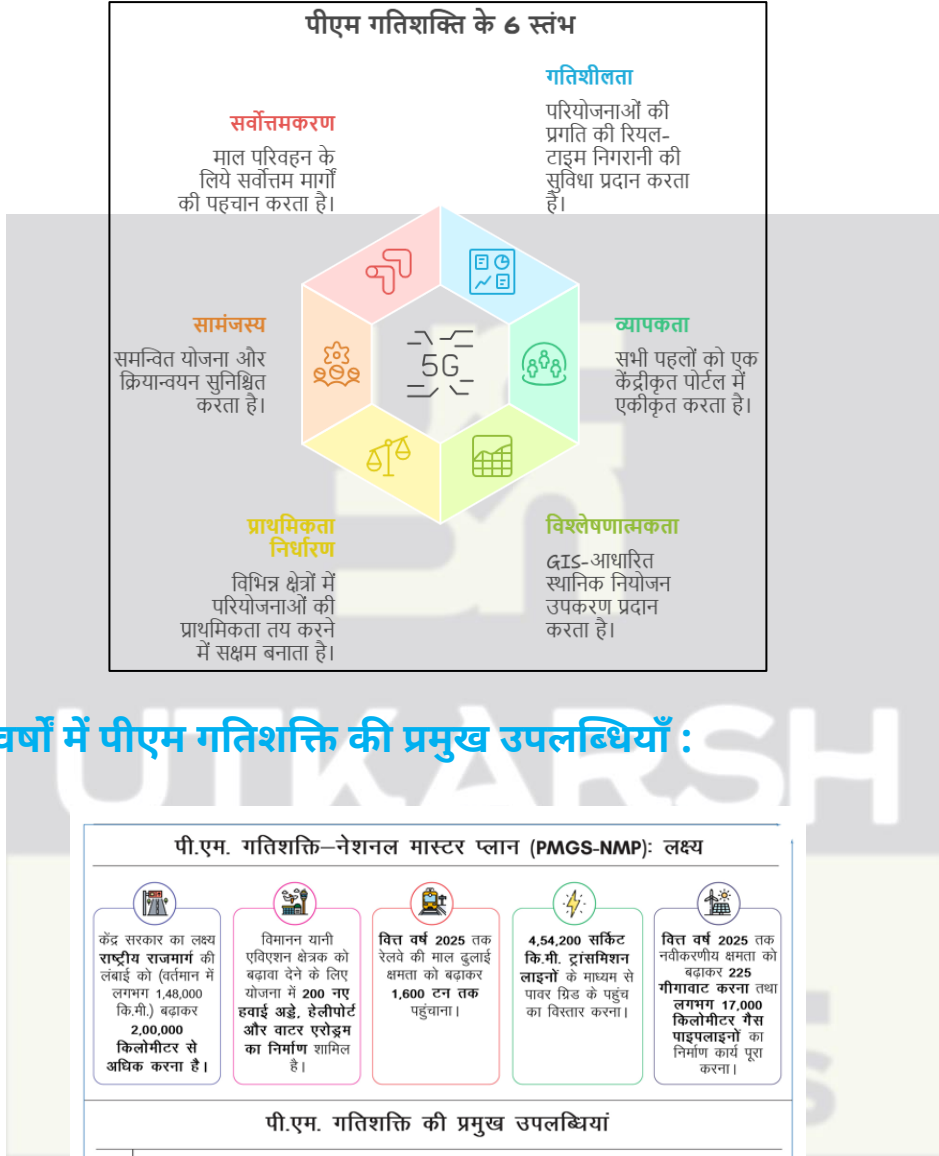


मुख्य बिन्दु:

- पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (PMGS-NMP)
- लॉन्च : वर्ष 2021
- यह किसी एक मंत्रालय के अधीन नहीं है, बल्कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) द्वारा समन्वित है।
- उद्देश्य : परिवहन के विभिन्न साधनों में लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध एवं कुशल कनेक्टिविटी प्रदान करना, जिससे अंतिम-मील कनेक्टिविटी बढ़े तथा यात्रा का समय कम हो।
- पीएम गतिशक्ति सात इंजनों द्वारा संचालित है: रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, जन परिवहन और लॉजिस्टिक्स अवसंरचना।
- 8 अवसंरचना, 22 सामाजिक और 27 आर्थिक एवं अन्य मंत्रालयों/विभागों सहित 57 केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों को PMGS NMP में शामिल किया गया है।

-:17:-

स्तम्भ :



विगत चार वर्षों में पीएम गतिशक्ति की प्रमुख उपलब्धियाँ :

पी.एम. गतिशक्ति-नेशनल मास्टर प्लान (PMGS-NMP): लक्ष्य					
	केंद्र सरकार का लक्ष्य राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई को (वर्तमान में लगभग 1,48,000 कि.मी.) बढ़ाकर 2,00,000 किलोमीटर से अधिक करना है।		वित्त वर्ष 2025 तक रेलवे की माल ढुलाई क्षमता को बढ़ाकर 1,600 टन तक पहुंचाना।		वित्त वर्ष 2025 तक नवीकरणीय क्षमता को बढ़ाकर 225 गीगावाट करना तथा लगभग 17,000 किलोमीटर गैस पाइपलाइनों का निर्माण कार्य पूरा करना।
पी.एम. गतिशक्ति की प्रमुख उपलब्धियाँ					
	सभी स्तरों के सरकार को एक प्लेटफॉर्म पर लाना: PMGS ने 44 केंद्रीय मंत्रालयों और 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को 1,600 से अधिक डेटा लेयर के साथ एकीकृत किया है।				
	सामाजिक क्षेत्रक पर प्रभाव: PMGS के सामाजिक क्षेत्रक में विस्तार ने स्कूलों, अस्पतालों और आंगनवाड़ियों के लिए डेटा-आधारित योजना बनाने में मदद की है। उदाहरण के लिए- PMGS पोर्टल का उपयोग जिला-विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण हेतु पी.एम. श्री स्कूलों को स्थानीय उद्योगों से जोड़ने के लिए किया गया है।				
	पी.एम. गतिशक्ति राज्य मास्टर प्लान (SMPs): सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने पी.एम. गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान प्लेटफॉर्म के अनुरूप पी.एम. गतिशक्ति (PMGS) पोर्टल विकसित किए हैं।				
	व्यापार सुविधा: PMGS महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं की कमियों को दूर करने तथा लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में सहायक रहा है। उदाहरण के लिए- नेशनल मास्टर प्लान (NMP) का उपयोग करके 8,891 किलोमीटर से अधिक सड़कों के निर्माण की योजना बनाई गई है।				
	संचारणीय और डेटा-आधारित विकास को बढ़ावा देना: PMGS दक्ष अवसंरचना का विकास सुनिश्चित करने के लिए GIS उपकरणों का उपयोग करती है। उदाहरण के लिए- लेह (लद्दाख) से कैथल (हरियाणा) तक 13 गीगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजना ने अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन के लिए 'ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर' की सर्वोत्तम विशेषताओं को शामिल किया है।				
	PMGS की उपलब्धियाँ: कुल 180 बिलियन डॉलर की 208 प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं का सफल मूल्यांकन किया गया।				

--:18:--

भारत में लॉजिस्टिक्स परिदृश्य का अवलोकन

- भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र का मूल्य वर्ष 2021 में 215 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। यह वर्ष 2026 तक 10.7% की अपेक्षित चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर के साथ सुदृढ़ विकास के लिए अच्छी स्थिति में है।

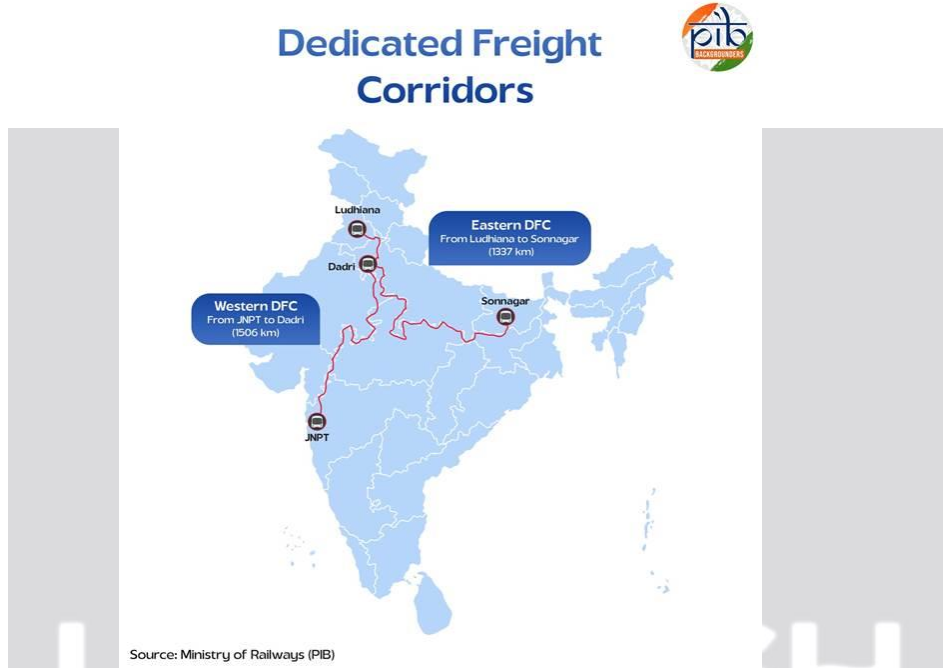


- वर्ष 2017 में, वाणिज्य विभाग के अंतर्गत लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के एकीकृत विकास की देखरेख के लिए एक अलग लॉजिस्टिक्स इकाई बनाई गई थी।
- लॉजिस्टिक्स उद्योग, इन्वेंट्री, परिवहन, भंडारण, वेयरहाउसिंग और वितरण का प्रबंधन करके, घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पादकों को उपभोक्ताओं से जोड़कर, विनिर्माण, खुदरा, ई-कॉमर्स तथा सेवाओं का समर्थन करता है।

रसद में प्रमुख सरकारी पहल :

1. **समुद्री अमृत काल विज्ञान 2047** : यह नीली अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों के अनुरूप है और भारत के समुद्री क्षेत्र में परिवर्तन के लिए एक दीर्घकालिक रोडमैप प्रस्तुत करता है। इस विज्ञान का उद्देश्य तटीय पर्यटन को बढ़ावा देना, समुद्री कौशल विकास को सुदृढ़ करना और भारत को जहाज निर्माण एवं मरम्मत के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

2. **समर्पित माल ढुलाई गलियारे** : रेल मंत्रालय वर्तमान में दो समर्पित माल ढुलाई गलियारे विकसित कर रहा है।



3. **मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क** : चेन्नई, बेंगलुरु, नागपुर, इंदौर आदि जैसे 35 प्रमुख स्थानों को निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रयासों से मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क के विकास के लिए मंजूरी दी गई है।
4. **यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म** : यह एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो विभिन्न लॉजिस्टिक्स-संबंधित मंत्रालयों और विभागों के डेटा को एक ही इंटरफेस पर लाता है; इसने वर्ष 2025 में 100 करोड़ एपीआई लेनदेन दर्ज किए हैं।
5. **गति शक्ति विश्वविद्यालय**: GSV भारत का प्रथम विश्वविद्यालय है जो परिवहन और लॉजिस्टिक्स शिक्षा के लिए समर्पित है।
6. **स्थायित्व** : जागरूकता बढ़ाने और सतत् विकास का समर्थन करने के लिए परिवहन और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की कुल लागत की गणना तथा तुलना के लिए फ्रेट ग्रीनहाउस गैस कैलकुलेटर विकसित किया गया है।

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

QS एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026

चर्चा में क्यों?

- QS एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में शीर्ष 100 में 7 भारतीय संस्थान शामिल हुए। 2016 में इसमें 24 विश्वविद्यालय शामिल थे, जो 2026 में बढ़कर 294 हो गए हैं। इस सूची में भारत चीन (395 संस्थान) के बाद दूसरे स्थान पर है।

मुख्य बिन्दु:

- **शीर्ष पर:** एशिया के शीर्ष 100 संस्थानों में पांच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs), भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), बेंगलुरु और दिल्ली विश्वविद्यालय शामिल हुए।
- इस वर्ष रैंकिंग में IIT-दिल्ली को 59वां स्थान मिला। IIT-दिल्ली को लगातार पांचवें वर्ष सर्वश्रेष्ठ भारतीय संस्थान घोषित किया गया।
- हांगकांग विश्वविद्यालय शीर्ष स्थान पर रहा। उसके बाद पेकिंग विश्वविद्यालय (चीन) दूसरे स्थान पर रहा।

QS एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026

- **कवरेज:** इसमें कुल 1,529 विश्वविद्यालयों को शामिल किया गया था।
- **11 संकेतक:** इनमें शैक्षणिक और नियोक्ता प्रतिष्ठा, संकाय-छात्र अनुपात, अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान नेटवर्क, प्रति शोध-पत्र साइटेशन, पेपर पर फैकल्टी, PhD, और अंतर्राष्ट्रीय संकाय, छात्रों एवं एक्सचेंज प्रतिभागियों की हिस्सेदारी आदि शामिल हैं।

भारत में उच्चतर शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग के लिए घरेलू फ्रेमवर्क

- **राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF):** इसे शिक्षा मंत्रालय के उच्चतर शिक्षा विभाग ने 2015 में लॉन्च किया था।
- **अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण (AISHE):** इसकी शुरुआत 2010-11 में की गई थी। यह शिक्षक, छात्र नामांकन, प्रोग्राम, परीक्षा परिणाम, शिक्षा वित्त तथा अवसंरचना जैसे कई मापदंडों को कवर करता है।

उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट, 2025

चर्चा में क्यों?

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) ने "उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2025: ऑफ टारगेट" जारी की।

मुख्य बिन्दु:

- पेरिस समझौते के तहत अपडेटेड राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs) प्रतिबद्धताओं के बावजूद भी इस सदी तक वैश्विक तापमान में 2.3-2.5 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हो सकती है।
- यह पेरिस समझौते के उस लक्ष्य से कम है, जिसमें तापमान वृद्धि को 2°C से काफी नीचे सीमित करना और इसे 1.5°C तक सीमित करने के प्रयासों को जारी रखना तय किया गया है।
- 2024 में GHGs उत्सर्जन में 2.3% की वृद्धि हुई थी। 1.5 डिग्री सेल्सियस लक्ष्य के अनुरूप होने के लिए, 2035 तक उत्सर्जन में 55% की गिरावट की आवश्यकता होगी।
- कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में सर्वाधिक वृद्धि भारत और चीन में देखी गई है। हालांकि, भारत में प्रति व्यक्ति ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन वैश्विक औसत से कम है।

नागरिक पंजीकरण प्रणाली (CRS) 2023 रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- भारत के महापंजीयक (RGI) ने "नागरिक पंजीकरण प्रणाली (CRS) पर आधारित भारत की महत्वपूर्ण सांख्यिकी" रिपोर्ट जारी की, जिसमें प्रमुख जनसांख्यिकीय प्रवृत्तियों, जन्मों में गिरावट, मृत्यु दर में मामूली वृद्धि, एवं जन्म के समय लिंगानुपात तथा पंजीकरण स्तरों में क्षेत्रीय भिन्नताओं को दर्शाया गया।



मुख्य बिन्दु:

CRS 2023 रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष

- पंजीकृत जन्म :** कुल जन्म पंजीकरण दर 98.4 प्रतिशत रही, जो लगभग पूर्ण कवरेज को दर्शाती है। संस्थागत जन्म: कुल पंजीकृत जन्मों में से 74.7 प्रतिशत ।
- पंजीकृत मृत्यु :** 2023 में 86.6 लाख मृत्यु पंजीकृत हुईं, जो 2022 की 86.5 लाख मृत्यु की तुलना में मामूली वृद्धि है।

--:23:--

Daily Current Affairs

Date : 06 November, 2025



जन्म के समय लिंगानुपात (SRB):

- **न्यूनतम SRB** : झारखंड (899), बिहार (900), तेलंगाना (906), महाराष्ट्र (909), गुजरात (910), हरियाणा (911), और मिजोरम (911)।
- **अधिकतम SRB** : अरुणाचल प्रदेश (1,085), नागालैंड (1,007), गोवा (973), त्रिपुरा (972), और केरल (967)।
- **जन्मों का समय पर पंजीकरण** : 11 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों ने 21 दिनों के अंदर 90 प्रतिशत से अधिक पंजीकरण प्राप्त किया, जिनमें गुजरात, तमिलनाडु, हरियाणा, गोवा और पंजाब शामिल हैं।
- 5 राज्यों (ओडिशा, मिजोरम, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश) ने 80-90% पंजीकरण दर्ज किया, जबकि 14 राज्य 50-80 प्रतिशत के मध्य रहे।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

--:24:--



सुजीत कलकल : कुश्ती

चर्चा में क्यों?

- सुजीत कलकल ने सर्बिया में अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के पुरुषों के फ्रीस्टाइल 65 किलोग्राम वर्ग में उज़्बेकिस्तान के उमिदजोन जलोलोव को हराकर स्वर्ण पदक जीता।



मुख्य बिन्दु:

- यह कलकल का पहला विश्व खिताब है। इससे पहले वे दो अंडर 23 एशियाई खिताब और एक अंडर 20 एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम कर चुके हैं।
- इससे पहले, भारतीय महिला कुश्ती टीम ने इसी स्पर्धा में 5 कांस्य पदक और 2 रजत पदक जीते और टीम चैंपियनशिप का खिताब भी हासिल किया।
- सुजीत का पदक इस साल पुरुषों की अंडर-23 सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के लिए एकमात्र पदक है।